रविवार 13 सितंबर, 2026

विषय — पदार्थ

स्वर्ण पाठ: लूका 15: 31

"पुत्र, तू सर्वदा मेरे साथ है; और जो कुछ मेरा है वह सब तेरा ही है।"

उत्तरदायी अध्ययन: भजन संहिता 23: 1-6

1 यहोवा मेरा चरवाहा है, मुझे कुछ घटी न होगी।
2 वह मुझे हरी हरी चराइयों में बैठाता है; वह मुझे सुखदाई जल के झरने के पास ले चलता है;
3 वह मेरे जी में जी ले आता है। धर्म के मार्गो में वह अपने नाम के निमित्त मेरी अगुवाई करता है।
4 चाहे मैं घोर अन्धकार से भरी हुई तराई में होकर चलूं, तौभी हानि से न डरूंगा, क्योंकि तू मेरे साथ रहता है; तेरे सोंटे और तेरी लाठी से मुझे शान्ति मिलती है॥
5 तू मेरे सताने वालों के साम्हने मेरे लिये मेज बिछाता है; तू ने मेरे सिर पर तेल मला है, मेरा कटोरा उमण्ड रहा है।
6 निश्चय भलाई और करूणा जीवन भर मेरे साथ साथ बनी रहेंगी; और मैं यहोवा के धाम में सर्वदा वास करूंगा॥

पाठ उपदेश

बाइबल

1. यशायाह 55: 1, 3, 9, 11

1 अहो सब प्यासे लोगो, पानी के पास आओ; और जिनके पास रूपया न हो, तुम भी आकर मोल लो और खाओ! दाखमधु और दूध बिन रूपए और बिना दाम ही आकर ले लो।
3 कान लगाओ, और मेरे पास आओ; सुनो, तब तुम जीवित रहोगे; और मैं तुम्हारे साथ सदा की वाचा बान्धूंगा अर्थात दाऊद पर की अटल करूणा की वाचा।
9 क्योंकि मेरी और तुम्हारी गति में और मेरे और तुम्हारे सोच विचारों में, आकाश और पृथ्वी का अन्तर है॥
11 उसी प्रकार से मेरा वचन भी होगा जो मेरे मुख से निकलता है; वह व्यर्थ ठहरकर मेरे पास न लौटेगा, परन्तु, जो मेरी इच्छा है उसे वह पूरा करेगा, और जिस काम के लिये मैं ने उसको भेजा है उसे वह सफल करेगा॥

2. 1 राजा 17: 1, 8-16

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

1 और तिशबी एलिय्याह जो गिलाद के परदेसियों में से था उसने अहाब से कहा, इस्राएल का परमेश्वर यहोवा जिसके सम्मुख मैं उपस्थित रहता हूँ, उसके जीवन की शपथ इन वर्षों में मेरे बिना कहे, न तो मेंह बरसेगा, और न ओस पड़ेगी।
8 तब यहोवा का यह वचन उसके पास पहुंचा,
9 कि चलकर सीदोन के सारपत नगर में जा कर वहीं रह: सुन, मैं ने वहां की एक विधवा को तेरे खिलाने की आज्ञा दी है।
10 सो वह वहां से चल दिया, और सारपत को गया; नगर के फाटक के पास पहुंच कर उसने क्या देखा कि, एक विधवा लकड़ी बीन रही है, उसको बुलाकर उसने कहा, किसी पात्र में मेरे पीने को थोड़ा पानी ले आ।
11 जब वह लेने जा रही थी, तो उसने उसे पुकार के कहा अपने हाथ में एक टुकड़ा रोटी भी मेरे पास लेती आ।
12 उसने कहा, तेरे परमेश्वर यहोवा के जीवन की शपथ मेरे पास एक भी रोटी नहीं है केवल घड़े में मुट्ठी भर मैदा और कुप्पी में थोड़ा सा तेल है, और मैं दो एक लकड़ी बीनकर लिए जाती हूँ कि अपने और अपने बेटे के लिये उसे पकाऊं, और हम उसे खाएं, फिर मर जाएं।
13 एलिय्याह ने उस से कहा, मत डर।
14 क्योंकि इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है, कि जब तक यहोवा भूमि पर मेंह न बरसाएगा तब तक न तो उस घड़े का मैदा चुकेगा, और न उस कुप्पी का तेल घटेगा।
15 तब वह चली गई, और एलिय्याह के वचन के अनुसार किया, तब से वह और स्त्री और उसका घराना बहुत दिन तक खाते रहे।
16 यहोवा के उस वचन के अनुसार जो उसने एलिय्याह के द्वारा कहा था, न तो उस घड़े का मैदा चुका, और न उस कुप्पी का तेल घट गया।

3. 2 कुरिन्थियों 9: 6 (वह)-8, 11

6 परन्तु बात तो यह है, कि जो थोड़ा बोता है वह थोड़ा काटेगा भी; और जो बहुत बोता है, वह बहुत काटेगा।
7 हर एक जन जैसा मन में ठाने वैसा ही दान करे न कुढ़ कुढ़ के, और न दबाव से, क्योंकि परमेश्वर हर्ष से देने वाले से प्रेम रखता है।
8 और परमेश्वर सब प्रकार का अनुग्रह तुम्हें बहुतायत से दे सकता है जिस से हर बात में और हर समय, सब कुछ, जो तुम्हें आवश्यक हो, तुम्हारे पास रहे, और हर एक भले काम के लिये तुम्हारे पास बहुत कुछ हो।
11 कि तुम हर बात में सब प्रकार की उदारता के लिये जो हमारे द्वारा परमेश्वर का धन्यवाद करवाती है, धनवान किए जाओ।

4. लूका 10: 21 (से *1st* ,)

21 उसी घड़ी वह पवित्र आत्मा में होकर आनन्द से भर गया,

5. लूका 12: 22-32

22 फिर उस ने अपने चेलों से कहा; इसलिये मैं तुम से कहता हूं, अपने प्राण की चिन्ता न करो, कि हम क्या खाएंगे; न अपने शरीर की कि क्या पहिनेंगे।
23 क्योंकि भोजन से प्राण, और वस्त्र से शरीर बढ़कर है।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

24 कौवों पर ध्यान दो; वे न बोते हैं, न काटते; न उन के भण्डार और न खत्ता होता है; तौभी परमेश्वर उन्हें पालता है; तुम्हारा मूल्य पक्षियों से कहीं अधिक है।
25 तुम में से ऐसा कौन है, जो चिन्ता करने से अपनी अवस्था में एक घड़ी भी बढ़ा सकता है?
26 इसलिये यदि तुम सब से छोटा काम भी नहीं कर सकते, तो और बातों के लिये क्यों चिन्ता करते हो?
27 सोसनों के पेड़ों पर ध्यान करो कि वे कैसे बढ़ते हैं; वे न परिश्रम करते, न कातते हैं: तौभी मैं तुम से कहता हूं, कि सुलैमान भी, अपने सारे विभव में, उन में से किसी एक के समान वस्त्र पहिने हुए न था।
28 इसलिये यदि परमेश्वर मैदान की घास को जो आज है, और कल भाड़ में झोंकी जाएगी, ऐसा पहिनाता है; तो हे अल्प विश्वासियों, वह तुम्हें क्यों न पहिनाएगा?
29 और तुम इस बात की खोज में न रहो, कि क्या खाएंगे और क्या पीएंगे, और न सन्देह करो।
30 क्योंकि संसार की जातियां इन सब वस्तुओं की खोज में रहती हैं: और तुम्हारा पिता जानता है, कि तुम्हें इन वस्तुओं की आवश्यकता है।
31 परन्तु उसके राज्य की खोज में रहो, तो ये वस्तुऐं भी तुम्हें मिल जाएंगी।
32 हे छोटे झुण्ड, मत डर; क्योंकि तुम्हारे पिता को यह भाया है, कि तुम्हें राज्य दे।

6. फिलिप्पियों 4: 1, 4-7, 9, 11 (क्योंकि मेरे पास है), 19, 20

1 इसलिये हे मेरे प्रिय भाइयों, जिन में मेरा जी लगा रहता है जो मेरे आनन्द और मुकुट हो, हे प्रिय भाइयो, प्रभु में इसी प्रकार स्थिर रहो॥
4 प्रभु में सदा आनन्दित रहो; मैं फिर कहता हूं, आनन्दित रहो।
5 तुम्हारी कोमलता सब मनुष्यों पर प्रगट हो: प्रभु निकट है।
6 किसी भी बात की चिन्ता मत करो: परन्तु हर एक बात में तुम्हारे निवेदन, प्रार्थना और बिनती के द्वारा धन्यवाद के साथ परमेश्वर के सम्मुख अपस्थित किए जाएं।
7 तब परमेश्वर की शान्ति, जो समझ से बिलकुल परे है, तुम्हारे हृदय और तुम्हारे विचारों को मसीह यीशु में सुरिक्षत रखेगी॥
9 जो बातें तुम ने मुझ से सीखीं, और ग्रहण की, और सुनी, और मुझ में देखीं, उन्हीं का पालन किया करो, तब परमेश्वर जो शान्ति का सोता है तुम्हारे साथ रहेगा॥
11 ... क्योंकि मैं ने यह सीखा है कि जिस दशा में हूं, उसी में सन्तोष करूं।
19 मेरा परमेश्वर भी अपने उस धन के अनुसार जो महिमा सहित मसीह यीशु में है तुम्हारी हर एक घटी को पूरी करेगा।
20 हमारे परमेश्वर और पिता की महिमा युगानुयुग होती रहे। आमीन॥

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 7: 1-2

जो लोग अनंत को सहारा देने वाले पर भरोसा करते हैं, उनके लिए आज का दिन आशीर्वाद से भरा है।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

2. 494: 10-11

ईश्वरीय प्रेम ने हमेशा हर इंसान की ज़रूरत को पूरा किया है और हमेशा पूरा करेगा।

3. 530: 5-12

दिव्य विज्ञान में, इंसान को ईश्वर, जो अस्तित्व का दिव्य सिद्धांत है, से पोषण मिलता है। धरती, ईश्वर के आदेश पर, इंसान के इस्तेमाल के लिए खाना पैदा करती है। यह जानते हुए, जीसस ने एक बार कहा था, "अपनी जान की चिंता मत करो, कि तुम क्या खाओगे, या क्या पीओगे,"—अपने बनाने वाले के खास अधिकार का फ़ायदा नहीं उठाते हुए, बल्कि ईश्वर, जो सबके पिता और माता हैं, को मानते हुए कि वे इंसान को वैसे ही खाना और कपड़े दे सकते हैं जैसे वे लिली को देते हैं।

4. 170: 8-17

ईसाई विचार निश्चित रूप से वह प्रस्तुत करते हैं जिसे मानवीय सिद्धांत बाहर रखते हैं, अर्थत, मनुष्य के सामंजस्य का सिद्धांत। यह पाठ कि, "जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए, तौभी जीएगा", न केवल मानव प्रणालियों के विपरीत है, बल्कि स्वयं-संचालित और शाश्वत सत्य की ओर इशारा करता है।

सच की मांगें स्पिरिचुअल हैं, और मन के ज़रिए शरीर तक पहुँचती हैं। इंसान की ज़रूरतों को सबसे अच्छे से समझाने वाले ने कहा: "अपनी ज़िंदगी के लिए यह मत सोचो कि तुम क्या खाओगे, या क्या पीओगे।"

5. 124: 25-26 (से *1st* .), 32-11

आत्मा सभी चीज़ों का जीवन, तत्व और निरंतरता है।

जैसे-जैसे इंसानी मन अपनी मान्यताओं को बदलेगा, शरीर और दुनिया के तत्व और काम बदलेंगे। जिसे अब इंसानी शरीर में ऑर्गेनिक और फंक्शनल हेल्थ के लिए सबसे अच्छी स्थिति माना जाता है, वह अब हेल्थ के लिए ज़रूरी नहीं रह सकती है। नैतिक स्थितियाँ हमेशा तालमेल वाली और सेहत देने वाली पाई जाएँगी। न तो ऑर्गेनिक काम न करना और न ही ज़्यादा काम करना भगवान के कंट्रोल से बाहर है; और इंसान बदले हुए इंसानी विचारों के लिए नॉर्मल और नैचुरल पाया जाएगा, और इसलिए वह अपनी दिखावट में उन पिछली स्थितियों की तुलना में ज़्यादा तालमेल वाला होगा जिन्हें इंसानी विश्वास ने बनाया और मंज़ूरी दी थी।

6. 278: 1 (है)-5, 12-16, 29-3

क्या आत्मा मैटर का सोर्स या क्रिएटर है? साइंस आत्मा में ऐसा कुछ नहीं दिखाता जिससे मैटर बनाया जा सके। डिवाइन मेटाफ़िज़िक्स मैटर को समझाता है। आत्मा ही एकमात्र सब्सटेंस और चेतना है जिसे डिवाइन साइंस ने पहचाना है।

यह कि मैटर असल है या उसमें जीवन और एहसास है, यह इंसानों की गलत सोच में से एक है, और यह सिर्फ़ एक मनगढ़ंत मौत की चेतना में ही मौजूद है। इसलिए, जैसे ही हम आत्मा और सत्य के पास पहुँचते हैं, हम मैटर की चेतना खो देते हैं।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

हम मैटर को गलती मानते हैं, क्योंकि यह जीवन, चीज़ और समझ के बिल्कुल उल्टा है। मैटर, अपनी मौत के साथ, असल नहीं हो सकता अगर आत्मा असल और हमेशा रहने वाली है। हमारे लिए कौन चीज़ असल होनी चाहिए,—गलती करने वाला, बदलने वाला और मरने वाला, बदलने वाला और मरने वाला, या जिसमें कोई गलती न हो, जो न बदल सके और अमर हो?

7. 62: 13-28

"अपनी ज़िंदगी के बारे में कम सोचना, कि तुम क्या खाओगे, या क्या पीओगे"; "अपने शरीर के बारे में कम सोचना कि तुम क्या पहनोगे," आने वाली पीढ़ी की सेहत के लिए आपके सपनों से कहीं ज़्यादा फ़ायदा होगा। बच्चों को ज्ञान में बच्चे ही रहने देना चाहिए, और उन्हें इंसान के ऊँचे स्वभाव की समझ में बढ़ोतरी करके ही मर्द और औरत बनना चाहिए।

अगर हम समझदार और सेहतमंद रहना चाहते हैं, तो हमें चीज़ों को ज़्यादा से ज़्यादा समझदारी नहीं देनी चाहिए, बल्कि कम से कम देनी चाहिए। दिव्य मन, जो कली और फूल बनाता है, इंसान के शरीर की देखभाल करेगा, जैसे वह लिली को कपड़े पहनाता है; लेकिन किसी भी इंसान को गलत, इंसानी सोच के नियमों को थोपकर भगवान के राज में दखल न देने दें।

इंसान का ऊँचे स्वभाव निचले स्वभाव से नहीं चलता; अगर ऐसा होता, तो समझदारी का क्रम उलट जाता।

8. 257: 22-29

सीमित मन हर तरह की त्रुटियाँ दिखाता है, और इस तरह पदार्थ में मन की भौतिक सिद्धांत को मन का उल्टा साबित करता है। किसने सीमित जीवन या प्यार को इंसान की ज़रूरतों और दुखों को पूरा करने के लिए,—इच्छाओं को शांत करने के लिए, ख्वाहिशों को पूरा करने के लिए काफी पाया है? अनंत मन को एक सीमित रूप में सीमित नहीं किया जा सकता, वरना मन कभी न खत्म होने वाले प्यार, हमेशा रहने वाले जीवन, सबसे ताकतवर सत्य के रूप में अपना अनंत रूप खो देगा।

9. 301: 5-20

बहुत कम लोग समझते हैं कि क्रिश्चियन साइंस का 'रिफ्लेक्शन' शब्द से क्या मतलब है। खुद के लिए, मरने वाला और भौतिक इंसान पदार्थ लगता है, लेकिन पदार्थ के बारे में उसकी समझ में गलती है और इसलिए वह भौतिक, कुछ समय का है।

दूसरी ओर, अमर, आध्यात्मिक इंसान असल में ठोस होता है, और उस हमेशा रहने वाले पदार्थ, या आत्मा को दिखाता है, जिसकी इंसान उम्मीद करते हैं। वह दिव्य को दिखाता है, जो एकमात्र असली और हमेशा रहने वाली चीज़ है। यह रिफ्लेक्शन मरने वाले इंसान को पारलौकिक लगता है, क्योंकि आध्यात्मिक इंसान का सार नश्वर नज़र से परे है और सिर्फ़ दिव्य साइंस के ज़रिए ही पता चलता है।

क्योंकि ईश्वर ही चीज़ है और इंसान ईश्वर की छवि और समानता है , इसलिए इंसान को सिर्फ़ अच्छाई की चीज़ , आत्मा की चीज़ की चाहत करनी चाहिए , और असल में उसे वही मिलती है , मैटर की नहीं।

10. 312: 20-26

इंसान एक सीमित व्यक्तिगत परमेश्वर में विश्वास करते हैं; जबकि परमेश्वर अनंत प्रेम है, जो असीमित होना चाहिए।

हमारे सिद्धांत सीमित परिसर पर आधारित हैं, जो पदार्थ से आगे नहीं जा सकतीं। परमेश्वर के बारे में और इंसान की क्षमताओं के बारे में एक व्यक्तिगत समझ अनिवार्य रूप से विश्वास को कम करती है और आध्यात्मिक भावना में बाधा डालती है।

11. 135: 17-20

आज यहूदियों के गुनाह को दोहराने का खतरा है, क्योंकि वे इस्राएल के पवित्र को सीमित कर रहे हैं और पूछ रहे हैं: "क्या परमेश्वर जंगल में खाने की मेज़ दे सकता है?" परमेश्वर क्या नहीं कर सकता?

12. 578: 4-18

भजन XXX111

[दिव्य प्रेम] मेरा चरवाहा है, मुझे कुछ घटी न होगी।
[प्रेम] मुझे हरी हरी चराइयों में बैठाता है; [प्रेम] मुझे सुखदाई जल के झरने के पास ले चलता है;
[प्रेम] मेरे जी में जी ले आता है। धर्म के मार्गो में [प्रेम] अपने नाम के निमित्त मेरी अगुवाई करता है।
चाहे मैं घोर अन्धकार से भरी हुई तराई में होकर चलूं, तौभी हानि से न डरूंगा, क्योंकि [प्रेम] मेरे साथ रहता है;
[प्रेम का] सोंटे और [प्रेम का] लाठी से मुझे शान्ति मिलती है॥
[प्रेम] मेरे सताने वालों के साम्हने मेरे लिये मेज बिछाता है; [प्रेम] ने मेरे सिर पर तेल मला है, मेरा कटोरा उमण्ड रहा है।
निश्चय भलाई और करूणा जीवन भर मेरे साथ साथ बनी रहेंगी; और मैं [प्रेम] के [चेतना] धाम में वास करूंगा ॥

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन

सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठीसुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।